**51. सह अंशधारी के विरुद्ध लेखा के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है।**

1. यह कि स्व. ............. ............. ............. वादी का पितामह तथा प्रतिवादियों का पिता है। उसने उसके साथ संलग्न की गयी अनुसूची में वादपत्र के पाद पर ब्यौरेवार भवनों एवं दुकानों का स्वामित्व प्राप्त किया।
2. यह कि कथित ............. ............. ............. ने एक विल दिनांकित ............. ............. ............. का निष्पादन किया जिसको उसने वादी को इसके साथ संलग्न की गयी द्वितीय अनुसूची में ब्यौरेवार विशिष्ट चार दुकाने दिया और उसके द्वारा छोड़ी गयी शेष रहने वाली सम्पत्ति का बराबर-बराबर प्रतिवादियों के बीच वितरण कर दिया गया।
3. यह कि श्री .. ............. ............. ............. ......... उपर्युक्त की मृत्यु तारीख ................ को हो गयी लेकिन प्रतिवादियों ने विल (वसीयत) छिपा ली और वादी जो श्री ............... ............... अपने स्व. पिता के जीवन काल से अपने पितामह तथा चाचा से पृथक रह रहा था विल के बारे में नहीं जान सका और प्रतिवादी गण वादी की सहमति के बिना उपर्युक्त मृत पितामह द्वारा वादी वसीयत की गयी उन सभी चारों दुकानों में सम्मिलित कर सभी दुकानों के अभिधारियों से किराया प्राप्त कर रहे थे।
4. यह कि जब वादी को उपर्युक्त विल की जानकारी हुई तब विल का निष्पादन करने तथा ........................... आज की तारीख तक कथित चारों दुकानों का किराये के रूप में उनके द्वारा वसूली गयी सम्पूर्ण धन का एक लेखा उसको देने का अनुरोध किया।
5. यह कि वादी अभिधारियों से प्रतिवादियों द्वारा वसूले गये किराये की सही रकम की जानकारी नहीं है।
6. यह कि उपर्युक्त चार दुकानों का किराया.............. ............. रुपये। प्रतिमाह है और इस तारीख तक किरायेदार से रकम ........ ............ रुपये (........................................) है और वाद का ............ ............रुपये पर मूल्यांकन किया जाता है न्यायालय फीस का भुगतान दावाकृत अनुतोषों के अनुसार उस पर किया जाता है।
7. यह कि वाद हेतुक तारीख ...... ................. को इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर पैदा हुआ जब प्रतिवादी किराये दारों से उनके द्वारा वसूली किये गये किरायों के रूप में वादी को किसी वस्तु का संदाय करने से इन्कार कर दिया।

**दावाकृत अनुतोष**

इस वाद के तौर पर दावाकृत अनुतोष है

1. यह कि प्रतिवादियों को उपर्युक्त दुकानों में से उनके द्वारा वसूल किये गये किराया का पूर्ण एवं सत्य लेखा देने के लिए बुलाया जाय।
2. यह कि किरायेदारों से प्रतिवादियों द्वारा वसूल किये गये धन का वादी को प्रतिवादियों से भुगतान कराया जाय।
3. यह कि वादी को देय पायी गयी धनराशि पर ......... .............. प्रतिशत वार्षिक दर पर ब्याज का ............ ....... तक की तारीख से नुकसानी के तौर पर अधिनिर्णय किया जा सकेगा।

............अनुसूची i

............अनुसूची ii

वादी जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी